Dialogue Works

किगाली

‘किगाली घोषणा’

हमारी दुनिया, हमारी आवाज़

के सहयोग से

Federal Ministry for Economic Cooperation and Development

Terre des Hommes International Federation

kinder not hilfe

हमारी दुनिया, हमारी आवाज़ 'किगाली घोषणा'

Dialogue Works

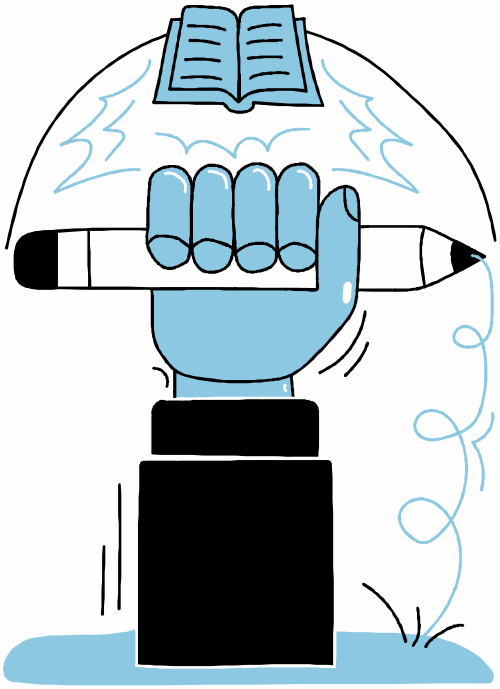
परिचय

हम–दुनिया भर के 16 देशों के कामकाजी बच्चों की समितियों और संघों के प्रतिनिधि,16 से 20 जनवरी 2023 के दौरान किगाली, रवांडा में डायलॉग वर्क्स अभियान द्वारा समर्थित कामकाजी बच्चों और युवाओं की वैश्विक सभा के लिए एक साथ आए हैं। हमने इस अनूठे अवसर का उपयोग एक दूसरे को जानने, आदान–प्रदान करने और सीखने के लिए किया है। इसके अलावा, हमने स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक नीति–निर्माण और अभ्यास के लिए अपने सुझावों और मांगों को विकसित करने पर चर्चा की है।



1. गरीबी को दूर करें, हमारे माता–पिता के लिए अच्छी नौकरी प्रदान करें और सुनिश्चित करें कि हमारी बुनियादी जरूरतें पूरी हों

- गरीबी और शोषण एक दूसरे के कारण हैं, और इसलिए इसे समाज से मिटाना होगा, ताकि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों दोनों में हमारे परिवारों के पास भोजन, कपड़े, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता और शिक्षा जैसी बच्चों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हों।
- जलवायु संकट, प्रवासन और विस्थापन, स्वास्थ्य महामारी, संघर्ष, पर्यावरणीय क्षति और भ्रष्टाचार हमें नए संघर्षों में धकेलते हैं जिनसे निपटने की आवश्यकता है। महामारी और अन्य आपात स्थितियों के दौरान, वयस्कों और बच्चों के लिए सामाजिक सुरक्षा सहित उचित वितरण के लिए अधिकारों की गारंटी दी जानी चाहिए, और सभी परिवारों की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं, टीकों और स्वस्थ वातावरण तक पहुंच होनी चाहिए।
- हर परिस्थिति चाहे वो ग्रामीण, दूर स्थित, शिविर और शहरी हो, उसमें माता–पिता और देखभाल करने वालों के पास काम व व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण के पर्याप्त व स्थायी अवसर होने चाहिए।
- सरकारों को अधिकारों की गारंटी देनी चाहिए, परिवारों के लिए अच्छा आवास और भूमि अधिकार प्रदान करना चाहिए। साथ ही, हमें बच्चों के विकास के लिए खेलने, आराम करने और मनोरंजन के लिए और अधिक जगहों की आवश्यकता है।



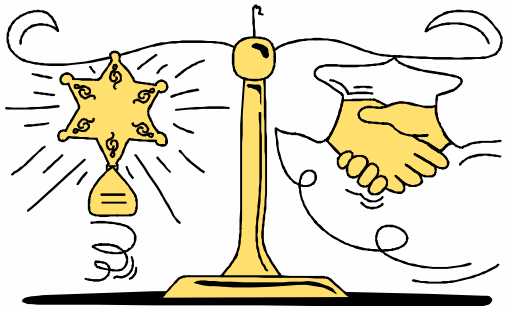
2. हमारी शिक्षा को गंभीरता से लें और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करें

- हम चाहते हैं कि शिक्षा के हमारे अधिकार का सम्मान किया जाए, जिसमें महामारी और अन्य आपात स्थितियों का समय भी शामिल हो। इसमें एक अधिकार के रूप में मुफ्त, मित्रवत, हमारी आवश्यकताओं के लिए लचीली, सुलभ, अहिंसक और गैर–भेदभावपूर्ण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और डिजिटल शिक्षा सहित कौशल प्रशिक्षण भी शामिल है। शिक्षा में सभी को शामिल करने की आवश्यकता है और इसमें विकलांग कामकाजी बच्चे, पारंपरिक भाषा बोलने वाले बच्चे और इंटरनेट की पहुंच से वंचित बच्चे शामिल हैं।
- हम सभी पीढ़ियों के लिए जलवायु न्याय और धरती माता के प्रति सम्मान पर औपचारिक, सामाजिक और सामुदायिक शिक्षा को बढ़ाना चाहते हैं।
- हम अपने परिवारों और समुदायों में बच्चों के अधिकारों और शोषण पर अनौपचारिक शिक्षा चाहते हैं।
- हम चाहते हैं कि सरकार और राज्य द्वारा स्कूल से बाहर के बच्चों को फिर से नामांकित करने के लिए और अधिक प्रयास किए जाएं और उन कारकों को रोका जाए जो बच्चों को स्कूल जाने से रोकते हैं, जैसे भेदभाव और हिंसा, साथ ही ट्यूशन फीस। हम अपने काम के कारण या किसी अन्य कारण से स्कूल में गैप करना या छोड़ना नहीं चाहते हैं। अपनी कमाई से पढ़ाई जारी रखने के लिए हम स्कूल की लागत का कुछ हिस्सा कवर कर सकते हैं और इस प्रकार अपनी शिक्षा जारी रख सकते हैं, और हम अपने काम के माध्यम से कौशल भी सीखते हैं।

3. श्रम शोषण, कठोर परिस्थितियों और जोखिमों से हमारी रक्षा करें और बच्चों को उपयुक्त सम्मानजनक कार्य करने दें।

- हम सभी चाहते हैं कि शोषण से सुरक्षित रहने के हमारे अधिकार का सम्मान हो। हम ऐसा काम नहीं करना चाहते जो बहुत भारी, कम भुगतान वाला, हानिकारक, कठोर या जोखिम भरी परिस्थितियों में हो या तस्करी और बंधुआ मजदूरी से जुड़ा हो, जो एक अपराध है। लड़कों को भारी काम के जोखिम का अधिक सामना करना पड़ता है, और लड़कियों को लंबे समय तक अवैतनिक घरेलू काम करने के जोखिम का अधिक सामना करना पड़ता है, जो उन्हें उचित और सम्मानजनक काम से दूर ले जाता है।
- हालाँकि, हम सभी प्रकार के बाल कार्यों को रोकना नहीं चाहते हैं। हम ऐसा काम करना चाहते हैं जो हमारी उम्र और हमारी अपने परिवारों को मदद करने की क्षमता के अनुकूल हो, और कौशल सीखने, पैसा कमाने, हमारी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने और हमारी पारंपरिक संस्कृतियों का सम्मान करने के लिए उपयुक्त हो। ऐसा काम सुरक्षित, उचित भुगतान वाला और अध्ययन, आराम और खेलने के लिए पर्याप्त समय देने वाला होना चाहिए।
- हममें से कई लोग अपने परिवारों में योगदान करने में गर्व महसूस करते हैं और चाहते हैं कि हमारे काम को महत्व दिया जाए। हमारा काम हमें अपने जीवन को गरिमा के साथ जीने, अपने परिवारों के लिए मदद प्रदान करने और अपनी शिक्षा जारी रखने का अवसर देता है क्योंकि यह हमारी सांस्कृतिक प्रथा भी है, न कि केवल गरीबी और शोषण का प्रभाव।
- बाल श्रम और शोषण से सुरक्षा पर मौजूदा कानूनों को हर जगह पर्याप्त रूप से लागू और मॉनिटर किया जाना चाहिए। साथ ही, नीतियों को सुरक्षित कार्य, कमाने और सीखने के अवसरों, और समावेशी कौशल–आधारित प्रशिक्षण का समर्थन करना चाहिए। विकलांग कामकाजी बच्चों सहित सभी कामकाजी बच्चों के काम की परिस्थितियों में सुधार किया जाना चाहिए।



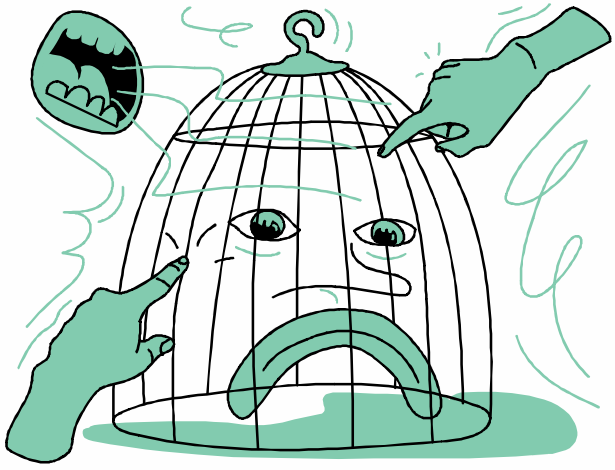


4. हमारी बात सुनें, हमें समझें और हमारे अधिकारों का सम्मान करने वाले कानूनों को लागू करें।

- हमें सुने जाने का अधिकार है और हमारे जीवन को प्रभावित करने वाले सभी मामलों में हमें देखे जाने, सुने जाने और शामिल किये जाने की आवश्यकता है। हम सभी स्तरों पर फैसलों में भाग लेना चाहते हैं और माता–पिता, देखभाल करने वालों, शिक्षकों, नियोक्ताओं, पुलिस, चिकित्सकों, धार्मिक, पारंपरिक और सामुदायिक नेताओं और नीति निर्माताओं–सरकारी अधिकारियों और अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों, जैसे यूनिसेफ, ILO या क्षेत्रीय निकाय द्वारा गंभीरता से लिया जाना चाहते हैं।
- सुनना काफी नहीं है, हम चाहते हैं कि हम जो कहते हैं वयस्क उस पर अमल करें।
- कामकाजी बच्चों की समितियों, संघों, नेटवर्कों और आंदोलनों को समर्थन दिया जाना चाहिए। हम हमें प्रभावित करने वाली नीतियों और कानूनों के बारे में सूचित होना चाहते हैं। इसके अलावा, हम उचित कार्यान्वयन बढ़ाने के लिए कानूनों, नीतियों और कार्यक्रमों को आकार देने और उनकी निगरानी करने में भूमिका निभाना चाहते हैं ताकि वे हमारी वास्तविकताओं, स्थितियों, जरूरतों और आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील बन सकें।
- वयस्कों को हमें नागरिकों के रूप में और हमारे ग्रह और इसके निवासियों की देखभाल और सुरक्षा में महत्वपूर्ण सामाजिक भूमिका अदा करने वालों के रूप में देखना चाहिए।

5. कामकाजी बच्चों के प्रति हिंसा और भेदभाव को रोकें और उनकी रक्षा करें

- हम चाहते हैं कि सभी प्रकार की हिंसा और भेदभाव से सुरक्षा के हमारे अधिकार का सम्मान किया जाए और सभी अवसरों पर उचित व्यवहार किया जाए।
- हम अपने घरों, स्कूलों, सड़क पर और कार्यस्थल में विभिन्न प्रकार की हिंसा (शारीरिक, भावनात्मक और यौन) और डराने–धमकाने का अनुभव करते हैं। सभी कामकाजी बच्चों को यौन और शारीरिक उत्पीड़न का खतरा है और कई क्षेत्रों में, सुरक्षा और सार्वजनिक देखभाल की कमी के कारण विशिष्ट क्षमताओं वाले बच्चों और लड़कियों को अधिक जोखिम का सामना करना पड़ता है।
- हम पुलिस और अन्य वयस्कों, जो हमारी रक्षा करने वाले हैं से भी हिंसा और भेदभाव का अनुभव करते हैं। पुलिस को हमारे अधिकारों का सम्मान और रक्षा करनी चाहिए। हमें विकलांग बच्चों सहित सभी के लिए बच्चों के अनुकूल किशोर न्याय प्रणाली की आवश्यकता है।
- COVID–19 महामारी के दौरान, माता–पिता ने उच्च स्तर के तनाव का अनुभव किया जिससे घर में घरेलू हिंसा के जोखिम बढ़ गए। इसलिए सरकारों को बच्चों और देखभाल करने वालों के लिए मनो–सामाजिक सहायता सेवाएं प्रदान करनी चाहिए।



अंतिम टिप्पणी :

हम स्थानीय से वैश्विक स्तर तक सभी हितधारकों का आह्वान करते हैं जिनके निर्णय हमारे जीवन को प्रभावित करते हैं कि वे इन विचारों और मांगों को ध्यान में रखें और उनके कार्यान्वयन पर हमारे साथ सहयोग करें। बाल श्रम के शोषण की रोकथाम और बच्चों के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए, इसके मूल में, बच्चों के अधिकारों और पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच एक गहन अंतर्संबंधित संबंध को मान्यता देने की आवश्यकता है।